Ganga Biodiversity A to Z

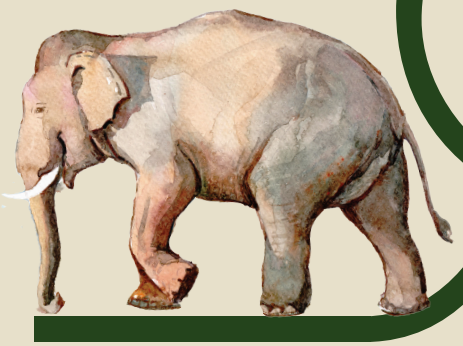

ABOUT WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA

Wildlife Institute of India (WII), established in 1982, is an autonomous Institute under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change. Its mission is to nurture the development of wildlife science and promote its application in conservation, in consonance with the culture and socioeconomic milieu.

The mandate of the institute is to build capacity through training, education, research and advisory services to the Central and State governments in the area of wildlife conservation. The Institute has been recognized as category 2 Centre of the UNESCO for imparting training to the managers of the Natural World Heritage Sites in the Asia-Pacific region. At the apex of the Institute's governance is the Society, chaired by the Union Minister of Environment, Forest & Climate Change. The executive arm of the Institute is the Governing Body chaired by the Secretary of the Ministry.

OUR MISSION

Nurture the development of wildlife science and promote its applications in the field in a manner that accords with our economic and socio-cultural milieu.

TEAM LEADER

Dr. Bitapi C. Sinha

TEXT COMPILATION & EDITING

Malvika Pandey, Mohit Kashyap, Nidhi Singh, Abhishek Kumar, Tanvi Gaur

HINDI TRANSLATION

Sonu, Niraj Aswal, Anuj Khushwaha

DESIGN AND LAYOUT

Kashish Sherdia

भारतीय वन्यजीव संस्थान

वर्ष 1982 में स्थापित, भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यू आई आई) पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है। इसका मिशन, वन्यजीव विज्ञान के विकास को परिपष्ट करना और क्षेत्र में उसके अनुप्रयोग को इस तरह से प्रोन्नत करना है, जो हमारे आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक वातावरण के अनुरूप हो। संस्थान का शासनादेश, वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षण, शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से क्षमता का निर्माण करना है, और केंद्रीय और राज्य सरकारों को तकनीकी और सलाहकार सेवाएं प्रदान करना है। संस्थान को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थलो के प्रबंधकों को प्रशिक्षण देने के लिए यूनेस्को के श्रेणी 2 केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। संस्थान के सर्वोच्च निकाय, भारतीय वन्यजीव संस्थान- सोसाइटी की अध्यक्षता माननीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री करते हैं। संस्थान की कार्यकारी शाखा, शासी निकाय है, जिसके अध्यक्ष, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव हैं।

हमारा ध्येय

वन्यजीव विज्ञान के विकास को परिपुष्ट करना तथा क्षेत्र में उसके अनुप्रयोग को इस तरह से प्रोन्नत करना, जो हमारे आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक वातावरण के अनुरूप हो।

टीम लीडर

डॉ बितापी सी सिन्हा

पाठ संकलन और सम्पादक

माल्विका पाण्डे, मोहित कश्यप, निधि सिंह, अभिषेक कुमार, तन्वी गौर

हिन्दी अनुवाद

सोनु, नीरज अस्वाल, अनुज कुश्वाहा

डिज़ाइन और लेआउट

कशिश शेरड़िया

Ganga Biodiversity A to Z

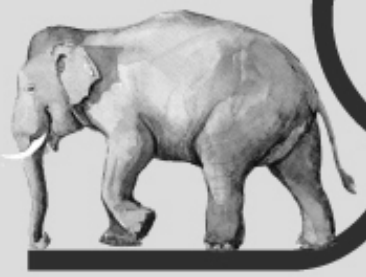

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

NAMAMI GANGE

ASIAN elephant

एशियाई हाथी

Scientific Name: Elephas maximus

वैज्ञानिक नाम: एलिफास मैक्सिमस

The Asian elephant is the largest mammal in the Asian Continent. It is also considered as the National Heritage Animal of India. It is found in 13 countries in South and southeast Asia. Elephants live in close-knit family groups led by a matriarch. Asian Elephant is smaller in size than African Elephants. Only males of Asian elephants have tusks. Tuskless elephants are called 'Makhna'. They have a life span of 60 to 70 years. Elephants are known to travel long distances in search of food and water and are very good swimmers. They spend about 16 hours a day eating and require approximately 150-200 kgs of food and up to 200 litres of water each day.

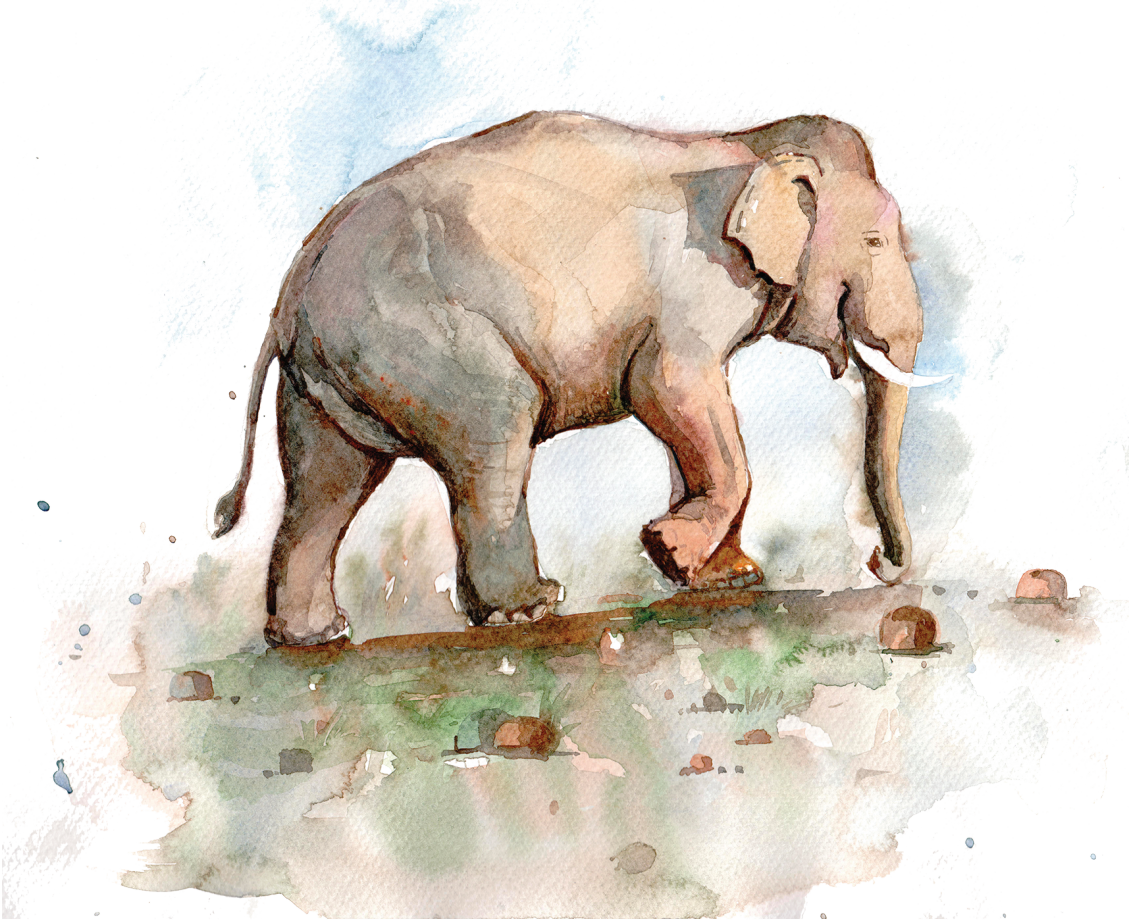

एशियाई हाथी, एशिया महाद्वीप में पाये जाने वाला सबसे बड़ा स्तनपायी प्राणी है। भारत सरकार द्वारा एशियाई हाथी को भारत का राष्ट्रीय विरासत धरोहर घोषित किया गया है। यह दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के 13 देशों में पाया जाता है। एशियाई हाथी समूह में रहता हैं। यह आकार में अफ्रीकी हाथी से छोटा होता हैं। एशियाई हाथियों में केवल नर हाथियों के ही दांत होते हैं और बिना दांत वाले हाथियों को "मखना" कहते हैं। इसका जीवनकाल 60 से 70 वर्ष का होता है। हाथी भोजन और पानी की तलाश में लंबी दूरी की यात्रा करने के लिए जाना जाता है और बहुत अच्छा तैराक भी होता है। यह प्रतिदिन लगभग 16 घंटे खाना खाने में बिताता है और इसे प्रतिदिन लगभग 150 & 200 किलोग्राम भोजन और 200 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

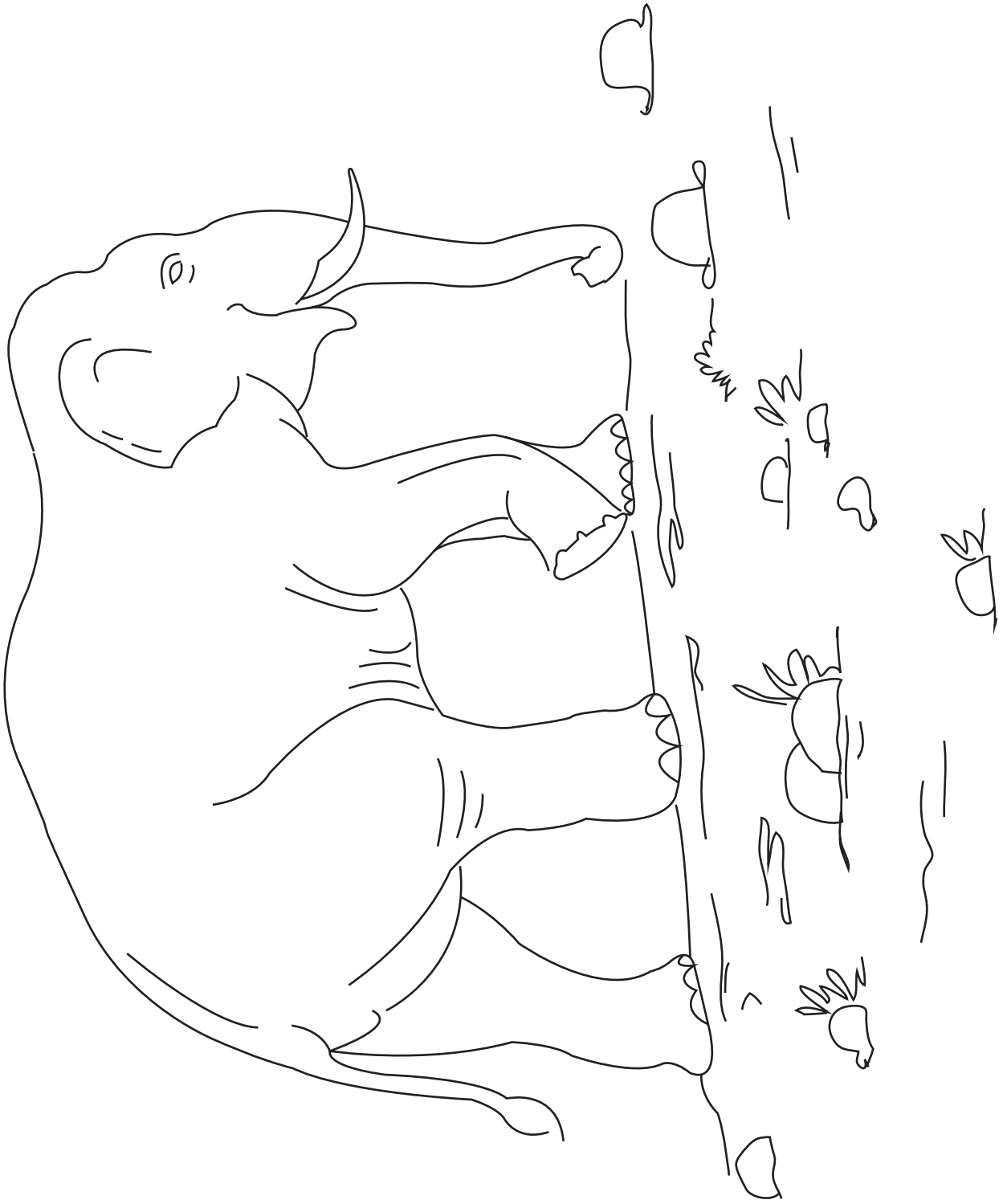

एशियाई हाथी

BLACK rumped flameback

कालपुठ अंगारा कठफोड़ा

Scientific Name: Dinopium benghalense

वैज्ञानिक नामः डाइनोपियम बेंग्हालेंस

Black-rumped flameback is a common, “small-billed” golden-backed woodpecker with four toes. It is endemic to the Indian subcontinent and Sri Lanka. Also known as the lesser golden-backed woodpecker, it can be seen in urban areas also. They play an important role in maintaining the balance in the ecosystem. Woodpeckers are important as they help in controlling the population of pests. It makes loud “ki-ki-ki-ki-ki,” which steadily increases in pace.

ब्लैक-रम्प्ड फ्लेमबैक चार उंगलियों वाला एक सामान्य छोटी चोंच और सुनहरी पीठ वाला कठफोड़ा है। यह भारतीय उपमहाद्वीप और श्रीलंका में पाए जाने वाला एक स्थानिक पक्षी है। यह “लेसेर गोल्डन-बैक” कठफोड़ा के रूप में भी जाना जाता है, और अधिकतर यह शहरी क्षेत्रों में देखा जा सकता है। कठफोड़ा पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं क्योंकि यह कीट की आबादी को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह एक ज़ोरदार “की-की-की” की आवाज निकालता है, जो लगातार बढ़ती जाती है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

ब्लैक-रम्प्ड फ्लेमबैक

CHITAL

चीतल

Scientific Name: Axis axis

वैज्ञानिक नाम: एक्सिस एक्सिस

The spotted deer, or chital, is the most common deer species in Indian forests. They are reddish brown in colour. Both males and females have white spots on their entire body, thus the name “spotted deer”. Male chital has antlers that grow and shed annually. These deer occupy grasslands and very rarely move into areas of dense jungle to avoid predators like tigers and leopards. They prefer to stay close to the langurs and feed on leaves and fruit dropped by them from the trees.

स्पॉटेड हिरण या चीतल, भारतीय जंगलो में पाये जाने वाले हिरण की एक प्रजाति हैं। नर और मादा चीतल दोनों के शरीर पर सफेद रंग के धब्बे (स्पॉट्स) होते हैं, जिस कारण इसका नाम "स्पॉटेड हिरण" पड़ गया। नर चीतल के सींग होते हैं जो हर साल बढ़ते हैं और झड़ जाते है। चीतल घास के मैदानों में रहता हैं और बाघों और तेंदुओं जैसे शिकारियों से बचने के लिए कभी कभी घने वन क्षेत्रों में जाता है। यह आम तौर पर लंगूरों के आस-पास ही पाया जाता है और लंगूरों द्वारा पेड़ों से गिराए गए पत्तों और फलों को खाता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

चीतल

Gangetic DOLPHIN

गांगेय डॉल्फिन या सुसु

Scientific Name: Platanista gangetica

वैज्ञानिक नाम: प्लेटनिस्टा गैंगेटिका

Dolphins are one of the oldest creatures in the world, and the dolphin found in the river Ganges is known as “Gangetic Dolphin”. The Gangetic dolphins can only live in freshwater and are essentially blind. They hunt by emitting ultrasonic sounds, which bounce off fishes and other prey, enabling them to “see” an image in their mind. They are frequently found alone or in small groups, and generally, the mother and the calf travel together. The Gangetic River dolphin is a reliable indicator of the health of the entire river ecosystem. A loud sound like a sneeze gives it the name “susu”. The species was declared the “National Aquatic Animal of India” on 18th May 2010.

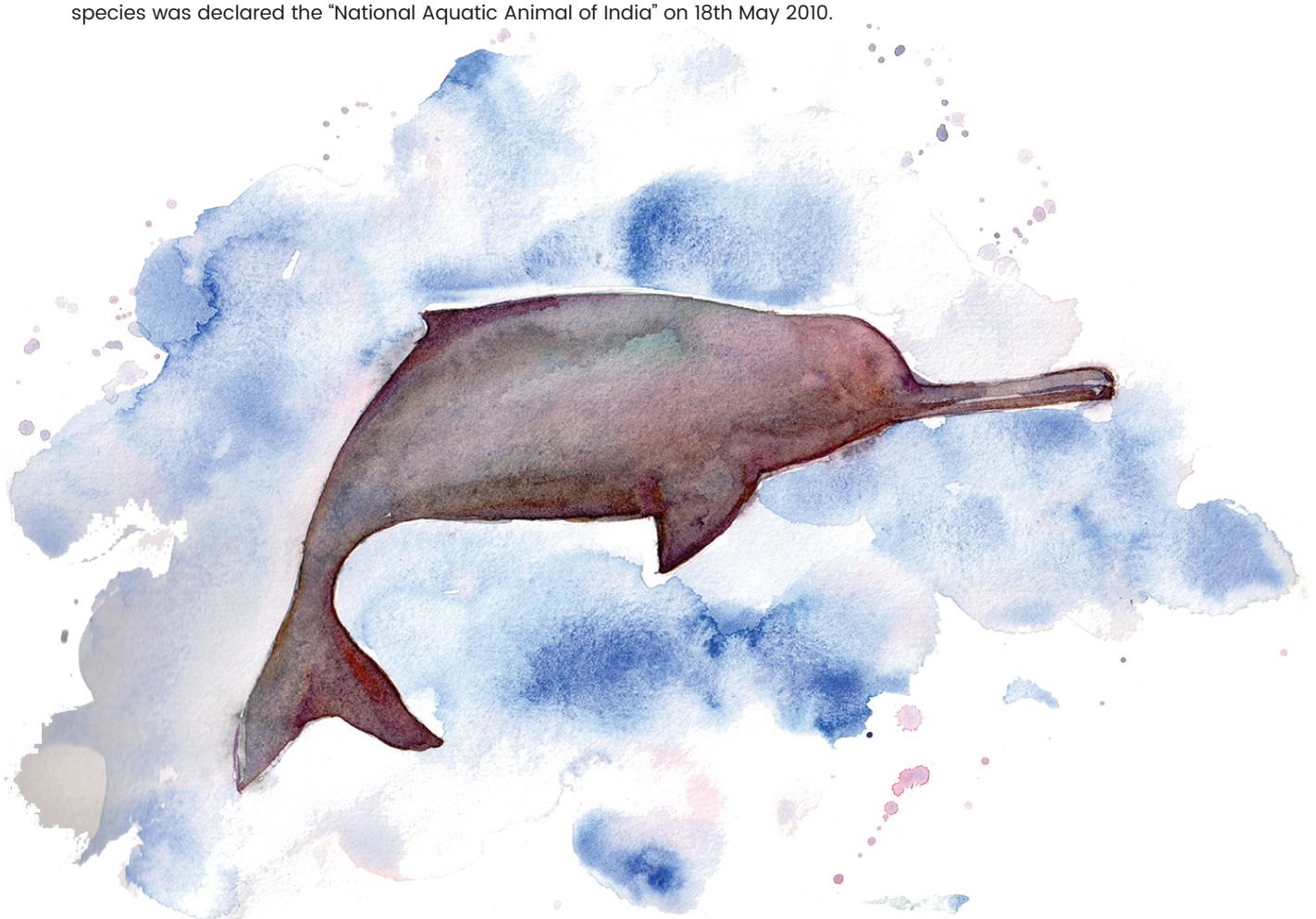

डॉल्फिन विश्व स्तर पर पाए जाने वाले सबसे पुराने जीवों में से एक है। गंगा नदी में पाई जाने वाली डॉल्फिन को गांगेय डॉल्फिन कहते हैं। गांगेय डॉल्फिन केवल मीठे पानी में रहती हैं और देख नहीं सकती। यह अल्ट्रासोनिक ध्वनियों के माध्यम से शिकार करती हैं। गांगेय डॉल्फिन द्वारा निकाली गई अल्ट्रासोनिक ध्वनियाँ मछली और अन्य शिकार से टकराती है, और डॉल्फिन के दिमाग में एक छवि बनाती है, जो इसे शिकार करने में मदद करती है। यह ज़्यादातर अकेले अपने बच्चे के साथ या छोटे समूहों में पायी जाती है। गांगेय डॉल्फिन नदी पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का एक विश्वसनीय सूचक है। यह एक सीटी जैसी आवाज निकालती है जिसके कारण इसे "सुसु" भी कहा जाता है। भारत सरकार द्वारा 5 अक्टूबर 2009 को गांगेय डॉल्फिन को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया गया है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

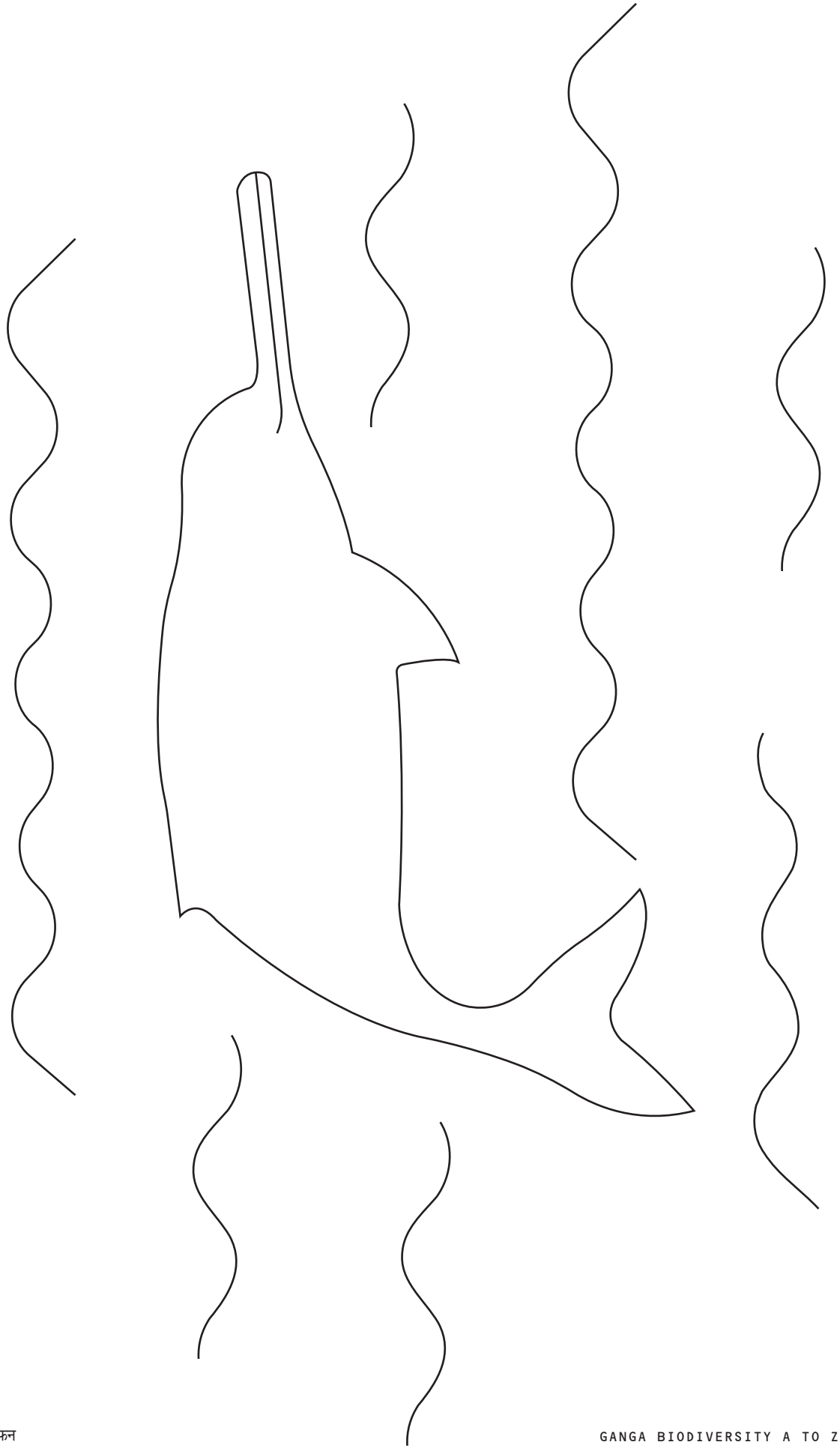

E URASIAN coot

यूरेशियन कूट या टिकड़ी

Scientific Name: Fulica atra

वैज्ञानिक नामः फुलिका ऐल्ट्रा

Eurasian Coot is a black coloured bird, with a distinctive white beak. It is a wading bird with wide toes. It is found both in freshwater and brackish marshes, lakeshores, and rivers and lives occasionally in saltwater. The bird dives easily and forages at the bottom of freshwater lakes for tadpoles, snails, aquatic plants, algae and grasses.

यह एक सफेद चोंच वाला, काले रंग का पक्षी है। यूरेशियन कूट या दसारी या साधारण टिकरी, चौड़े पंजो वाला पक्षी है। यह मीठे पानी, दलदली क्षेत्रों, झीलों और नदियों में पाया जाता है। यह पक्षी पानी की झीलों की सतह पर पाये जाने वाले टैडपोल, घोंघे, जलीय पौधों, शैवाल और घास को खाता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

FALCATED duck

फाल्केटेड डक
या कटा सिंखुर बत्तख

Scientific Name: Mareca falcata

वैज्ञानिक नामः मारेका फैल्काटा

The falcated ducks are a medium-sized bird and their males are larger than the females. The maned head of the breeding male has a green and bronze shine. The female has a dark brown plumage. They are found in freshwater lakes, ponds, rivers and marshes close to the forests. During the breeding season, the male has a short low whistle “tyu-tyu-vit, tyu-vit” and wavering “uit-trr”. They are seen in pairs and small groups. These birds are active during the day but migrate often at night.

फाल्केटेड डक या कटा सींखुर बत्तख एक मध्यम आकार की बत्तख है। फाल्केटेड नर बत्तख आकार में मादा बत्तख से बड़ा होता है। प्रजनन करने वाले नर फाल्केटेड डक के सिर पर हरे और कांस्य रंग की चमक होती है। मादा का रंग गहरा भूरा होता है। यह मीठे पानी की झीलों, तालाबों, नदियों और जंगलों के पास दलदल में पाया जाता है। प्रजनन के दौरान मादा को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए नर फाल्केटेड डक एक सीटी जैसी आवाज “टायू-टीयू-विट, तु-विट" और "यूइट-ट्र" निकालता है। फाल्केटेड डक जोड़े और छोटे समूहों में देखे जाते हैं। यह पक्षी दिन के दौरान सक्रिय होते हैं लेकिन कभी कभी रात में भी गमन करते हुए देखे जा सकते हैं।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

फाल्केटेड डक

GHARIAL

घड़ियाल

Scientific Name: Gavialis gangeticus

वैज्ञानिक नाम: गैवीएलिस गैंगेटिकस

Gharials are one of the largest species of crocodiles. They have a long snout with a pot or “ghara” like structure, thus they are known as “Gharial”. They do not stalk their prey instead their snouts contain sensory cells that can detect vibrations in the water. They are ecological indicators as well as top predators of the river ecosystem. Their jaws are lined with more than a hundred teeth, which they use to hunt and catch fish. The National Chambal Sanctuary, also known as the National Chambal Gharial Sanctuary, was declared a Protected Area for the conservation of this endangered species. However, The species is still critically endangered.

घड़ियाल, मगरमच्छ की सबसे बड़ी प्रजातियों में से एक है, जिसके थूथन पर एक “घड़े” के जैसी आकृति का अंग उभरा हुआ रहता है जिसके कारण इसे घड़ियाल कहा जाता है। ये अपने शिकार का पीछा नहीं करते बल्कि इनके थूथन में संवेदी कोशिकाएं होती हैं जो पानी में शिकार द्वारा उत्पन्न कंपन का पता लगा सकती हैं जिसके माध्यम से ये शिकार करते हैं। ये नदी के पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के सूचक होने के साथ, नदी के शीर्ष परभक्षी भी हैं। घड़ियाल के जबड़ों में 100 से अधिक दांत होते हैं, जिनका उपयोग ये मछली पकड़ने और शिकार करने में करते हैं। 1975 में गहन बंदी प्रजनन और पालन कार्यक्रम के शुरू होने से पहले तक यह प्रजाति भारत में विलुप्त होने की कगार पर थी। 1995 तक लगभग 1200 घड़ियालों को उनके जलीय आवास में सुरक्षित किया गया था। मगरमच्छ की यह प्रजाति अभी भी गंभीर रूप से संकटग्रस्त है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

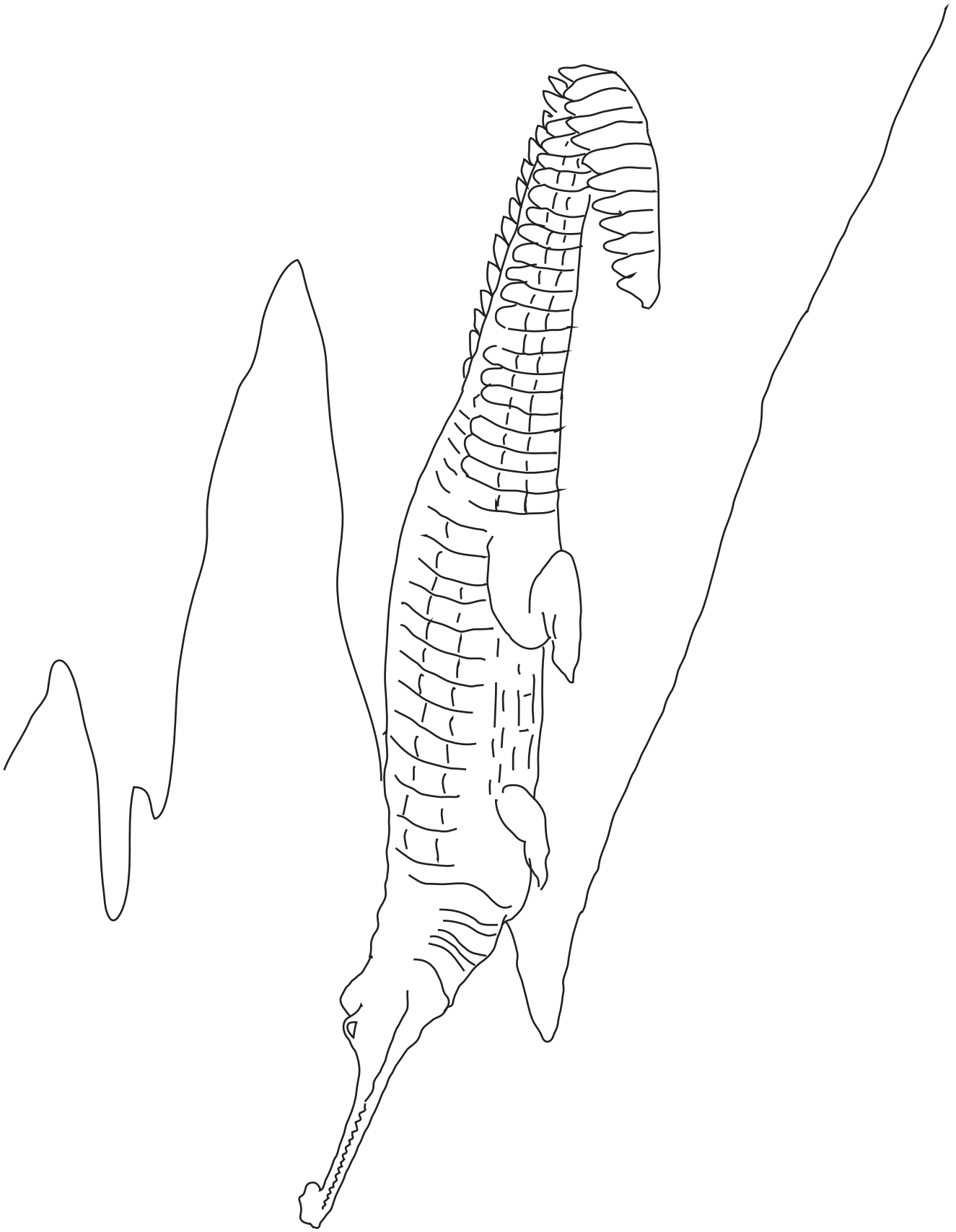

HIMALAYAN bulbul

हिमालयी बुलबुल

Scientific Name: Pycnonotus leucogenys

वैज्ञानिक नामः पाइक्नोनोटस ल्यूकोजेनिस

The Himalayan Bulbul is a greyish-brown bulbul, with a visible white cheek and yellow undersides. They are very commonly found in the foothills of the Himalayas. They feed mostly on small invertebrates, insects, berries, seeds, and nuts, and thus are omnivorous. Their song is generally melodious. It is a repetition of the phrase “oo-toodle-oo”, an alarm call is a sharp “pit”. Himalayan bulbuls are fearless and human-friendly and can often be seen in parks, and town or city areas.

हिमालयन बुलबुल एक भूरे रंग की बुलबुल है, जिसका गाल सफेद और पूंछ का निचला भाग (गुदाभाग) पीले रंग का होता है। यह आमतौर पर हिमालय की तलहटी में पायी जाती है। यह सर्वाहारी होती हैं और ज्यादातर छोटे अकशेरूकीय, कीड़े, बीज और फल खाती हैं। इनके द्वारा निकाली गई आवाज अथवा गीत सामान्यतः मधुर होते है। यह "ऊ-टूडल-ऊ" की आवाज निकालती हैं जिसे यह बार-बार दोहराती हैं। हिमालयन बुलबुल निडर होती हैं और अक्सर मानव की बस्तियों पार्कों, या शहर के क्षेत्रों में देखी जा सकती हैं।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

हिमालयी बुलबुल

INDIAN skimmer

इंडियन स्किमर या पंचीरा

Scientific Name: Rynchops albicollis

वैज्ञानिक नामः रिनचॉप्स एल्बिकोलिस

Indian Skimmer has a white forehead and a deep orange bill. They are known for their unique bills which are bright orange in color, with the upper mandible, a bit shorter than the lower mandible. Due to their uneven bills, they were earlier also known as “Indian scissor-bill”. The skimmers are partially migratory and do not normally occur in forests. They instead inhabit natural open, wetland ecosystems, and are found on large rivers with sandbanks and reservoirs. Indian skimmer is at times mistaken for “terns” due to their similar appearance.

इंडियन स्किमर की चोंच चमकीली नारंगी रंग की होती है। इसकी चोंच का ऊपरी जबड़ा निचले जबड़े से थोड़ा छोटा होता है। इसकी इस असमान चोंच के कारण, इसे पूर्वकाल में "भारतीय कैंची-बिल" के नाम से भी जाना जाता था। स्किमर्स आंशिक रूप से प्रवासी पक्षी होते हैं और जंगलों में नहीं पाये जाते। यह पक्षी खुले प्राकृतिक आर्द्रभूमि में निवास करता हैं, और नदी के तट और जलाशयों वाली बड़ी नदियों के आसपास पाये जाते हैं। भारतीय स्किमर्स को कई बार लोग “टर्न” पक्षी समझ लेते हैं, क्योंकि ये दोनों ही पक्षी काफी समान दिखते हैं।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

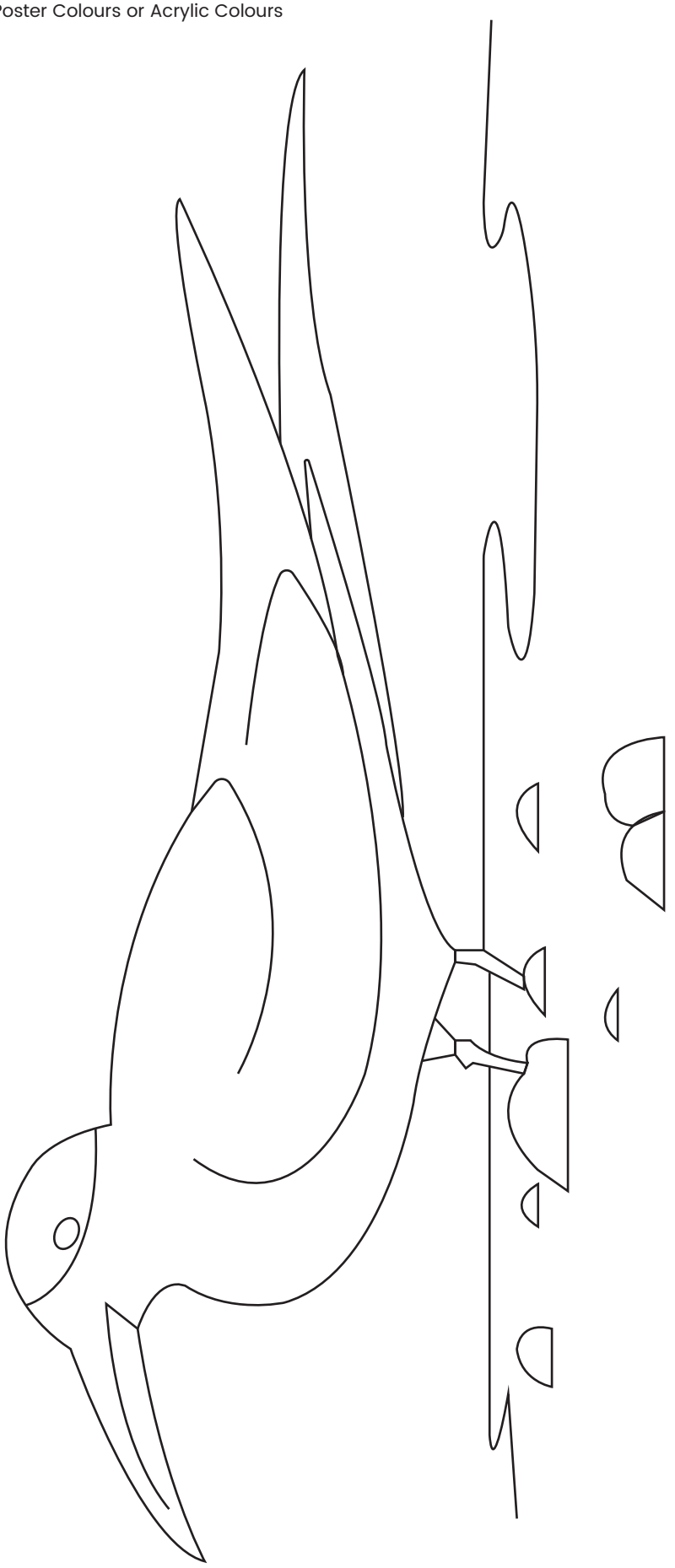

इंडियन स्किमर

J Golden JACKAL

सियार

Scientific Name: Canis aureus

वैज्ञानिक नामः कैनिस औरियस

Jackals live in groups called packs or tribes. These animals are normally shy and try to stay out of sight by taking cover in tall grasses. Jackal is a hunter and opportunistic omnivore, but it also scavenges. They help in keeping the surroundings clean by feeding on the carcass. Jackals are often very vocal, and the most common sound made by them is a high-pitched wavering howl, mostly heard at night. A pair of jackals defend a territory against other jackals, and the pairs are monogamous. They are commonly known as Indian or Golden Jackals.

गीदड़ या सियार आमतौर पर समूह में रहता है जिसे "पैक" कहा जाता है। यह शर्मिला होता है और लंबी घास में छुपकर इंसानो की नजरों से दूर रहने की कोशिश करता है। सियार एक शिकारी जानवर है और एक अवसरवादी सर्वभक्षी भी है। यह जानवरो के सड़े गले मृतप्राय शरीर को खाकर पर्यावरण को साफ सुथरा रखने में मदद करता है। सियार बहुत मुखर होता है और यह अक्सर "हाउल" जैसी आवाज निकालता है जिसे ज्यादातर रात में सुना जा सकता है। सियार का एक समूह अन्य सियार समूहों से अपने क्षेत्र की रक्षा करता है। सियार जीवनभर के लिए केवल एक ही जोड़ा बनाता है। यह प्रजाति कुत्ते के जैसे दिखती है जबकि आनुवंशिक रूप से यह कुत्तों से अलग होती है७। इसके सुनहरे रंग के कारण इसे भारतीय या गोल्डन जैकल के रूप में भी जाना जाता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

सियार

K Common INGFISHER

छोटा किलकिली

Scientific Name: Alcedo atthis

वैज्ञानिक नामः एल्सिडो एथिस

Kingfishers have very strong legs as they spend most of their time perching on the trees. With their vivid plumage and loud, shrill calls, the kingfisher bird stands out from the crowd. One can often catch sight of them perched on a tree, barely moving. But upon sighting prey, they spring quickly into action and swoop down to catch it. In common kingfishers, the females have a bill with a red base, whereas the male has one that is completely black. They are widespread across the Indian subcontinent and are found throughout the Ganga River basin.

किंगफिशर के पैर बहुत मज़बूत होते हैं क्योंकि यह अपना ज़्यादातर समय पेड़ों पर बिताते हैं। अपने चमकीले नीले रंग के पंखों और तेज तीखी आवाज के साथ किंगफिशर पक्षी सभी पक्षियों से एकदम अलग दिखते हैं। अक्सर इसे बिना हिले-डुल पेडो पर एकदम शांत बैठे देखा जा सकता है। लेकिन जैसे ही यह शिकार को देखता है, यह तुरंत ही हरकत में आ जाता है और उसे पकड़ने के लिए झपट्टा मारता है। मादा किंगफिशर की चोंच लाल रंग की होती है, जबकि नर किंगफिशर की चोंच काली होती है। यह पक्षी भारतीय उपमहाद्वीप में पूरे गंगा नदी बेसिन में पाया जाता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

LESSER adjutant

चंदियारी

Scientific Name: Leptoptilos javanicus

वैज्ञानिक नाम: लेप्टोपटिलोस जावानिकस

Lesser Adjutant is a solitary large bird mostly found in wetlands. Their upper body and wings are glossy dark grey-black, and their underside is white. They have dark grey legs that are often stained white with uric acid as they commonly defecate on them. This is believed to be a cooling measure, as the evaporation lowers their body temperature, offering relief when temperatures are uncomfortably high. They were named "Adjutants" by British Colonial troops based on their habit of standing motionless for long periods like military officers (Adjutants standing in attention).

लेसर एडजुटेंट बड़े आकार का एक पक्षी है जो ज्यादातर अकेला रहता है और दलदली भूमि में पाया जाता है। इसकी पीठ और इसके पंख चमकदार गहरे भूरे-काले रंग के होते हैं, और निचला भाग सफेद होता है। इसके पैर गहरे भूरे और सफेद रंग के होते हैं। यह अक्सर अपने पैरो पर शौच कर देता है जिसमे यूरिक एसिड होता है जिसके कारण इसके पैरों का रंग सफेद हो जाता है। ऐसा यह अपने शरीर को शीतल रखने के लिए भी करता है। जब तापमान असुविधाजनक रूप से अधिक हो जाता है तो वाष्पीकरण इनके शरीर के तापमान को कम करता है। लंबे समय तक सैन्य अधिकारी की तरह गतिहीन खड़े रहने के कारण, ब्रिटिश औपनिवेशिक सैनिकों द्वारा इसे "एडजुटेंट उपनाम दिया गया था।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

चंदियारी

MARSH crocodile

मगरमच्छ

Scientific Name: Crocodylus palustris

वैज्ञानिक नामः क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस

The Marsh crocodile's scientific name 'Crocodylus palustris' means, "crocodile of the marsh". This species prefers slow-moving shallow water bodies that are typically found in marshy environments and thus justify their name. They are opportunistic predators and are known to prey on fish, amphibians, and reptiles. The species has become locally extinct over large parts of its range, and viable populations occur mostly within the Protected Areas.

मार्श मगरमच्छ का वैज्ञानिक नाम 'क्रोकोडायलस पलस्ट्रिस' हैं जिसका मतलब होता हैं "दलदल का मगरमच्छ"। यह प्रजाति धीमी गति से बहने वाले जलस्रोतों में रहना पसंद करती है जो आमतौर पर दलदली वातावरण में पायी जाती है। यह अवसरवादी शिकारी हैं और मछली, उभयचर और सरीसृप का शिकार करने के लिए जाने जाते हैं। यह प्रजाति अपने प्राकृतिक आवास में स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुकी है, ज्यादतर इसे संरक्षित क्षेत्रों में देखा जा सकता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

NORTHERN shoveler

तिदारि बत्तख

ScientificName: Spatula clypeata

वैज्ञानिक नामः स्पैटुला क्लीपियाटा

The name of the Northern shoveler is derived from its highly specialized bill that is used to forage for aquatic invertebrates. Despite their stout appearance, they are agile flyers. When Northern shovelers take off, their wings produce a rattling sound. They move in small flocks and are a widespread winter visitor in India. During mating season male shovelers become flightless for a brief period; they gather in small flocks and usually stay hidden in vegetation, especially at night.

उत्तरी शॉवलर एक पक्षी है, जिसका नाम इसकी विशिष्ट चोंच से लिया गया है जिसका उपयोग यह जलीय अकशेरूकीय को खाने के लिए करता है। अपने गठीले शरीर के बावजूद, यह फुर्तीले रूप में उड़ान भरता है। जब उत्तरी शॉवलर उड़ान भरता है, तो इसके पंख एक तेज़ आवाज़ पैदा करते हैं। यह ज्यादतर छोटे झुंडों में उड़ते हैं और सर्दी के मौसम में भारत में बड़े पैमाने पर प्रवास करते हैं। प्रजनन के मौसम के दौरान उत्तरी नर शॉवलर थोड़े समय के लिए उड़ान रहित हो जाता है। यह छोटे झुंडों में इकट्ठे होते हैं और आमतौर पर रात में वनस्पति में छिपकर रहते हैं।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

O Smooth-Coated TTER

ऊदबिलाव

Scientific Name: Lutrogale perspicillata

वैज्ञानिक नामः ल्युट्रोगेल पर्स्पिसिलाटा

Smooth-coated otter is an aquatic and terrestrial mammal. They have small eyes and ears, a flattened tail, with short and strong limbs and large and well webbed fore and hind paws. They prefer rocky stretches alongside rivers for den and resting. Smooth-coated otters are social and hunt in groups and are mainly diurnal. In some countries, fishermen are known to train smooth-coated otters to chase fish into fishing nets. Fishes make up 75 to 100% of the diet. They also forage on insects, earthworms, crustaceans & frogs.

ऊदबिलाव एक जलीय और स्थलीय स्तनपायी जीव है। इसकी आँखें और कान छोटे होते हैं, पूंछ चपटी होती है, अंग छोटे लेकिन मज़बूत होते हैं। हाथों और पैरों के पंजे बड़े और झिल्लीदार होते हैं। यह गुफाओं में रहता है और विश्राम के लिए नदियों के किनारे चट्टानी स्थलों को पसंद करता हैं। ऊदबिलाव व्यावहारिक-रूप से काफी सामाजिक होता हैं और समूह में शिकार करते हैं। यह मुख्य रूप से दिन में सक्रिय होता है। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश के मछुआरे अक्सर ऊदबिलाव को मछलियों का पीछा करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए जाने जाते हैं। मछली ऊदबिलाव के आहार का लगभग 75 से 100 प्रतिशत हिस्से की पूर्ती करती हैं । मछलियों के साथ-साथ यह कीड़े, केंचुए, झींगा, केकड़े, मेंढक भी खाता हैं।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

PALLAS' fish eagle

पतरस मछ-गरुड़

Scientific Name: Haliaeetus leucoryphus

वैज्ञानिक नामः हेलियाएटस ल्यूकोराइफस

Pallas's Fish Eagle, also known as Pallas's Sea Eagle or band-tailed fish eagle, is a large, brownish sea eagle. These eagles predate by assaulting water birds on the surface of the water and then flying off with the kill. They also feed on large freshwater fishes. This bird has one of the greatest weight-lifting feats ever recorded for a flying bird. They are closely associated with wetlands, principally with large lakes and rivers. It is a migrant bird that breeds in the northern and northeastern parts of India during winters and migrates to Mongolia for summers.

पलास- एक फिश ईगल है, जिसे पलास-समुद्री ईगल या बैंड-टेल्ड फिश ईगल के रूप में भी जाना जाता है। यह आकार में बड़ा और भूरे रंग का होता है। यह चील पानी की सतह पर जलीय पक्षियों पर हमला करके शिकार करती है और फिर उन्हें मारकर पंजों में दबाकर उड़ जाती है। यह मीठे पानी की बड़ी मछलियों को भी अपना शिकार बनाती है। यह उड़ने वाला सबसे भारी पक्षी के रूप में भी जाना जाता हैं। यह मुख्य रूप से बड़ी झीलों, नदियों और आर्द्रभूमि के आसपास पाया जाता है। यह एक प्रवासी पक्षी है। सर्दियों के मौसम में यह भारत के उत्तरी और पूर्वोत्तर भागों में प्रजनन करता है और गर्मियों में मंगोलिया में प्रवास करता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

Q Common QUAIL

बड़ा बटेर

Scientific Name: Coturnix Coturnix

वैज्ञानिक नाम: कॉटर्निक्स कॉटर्निक्स

Common Quail is a small bird found in woodlands and forest areas. Quails move surprisingly fast in the underbrush and can run up to 12 mph when startled, however, they can fly only for a short distance. Adult quail birds like to take dust baths by burrowing two to three inches deep into the loose soil and then wriggling around flapping their wings. Although they are much different in size, quail belong to the same family of game birds as pheasants. Quails mostly prefer seeds, leaves, and roots to eat, although if hungry they sometimes eat small insects too.

बटेर वन क्षेत्रों में पाया जाने वाला एक छोटा पक्षी है। यह घास के मैदानों में आश्चर्यजनक रूप से तेजी से दौड़ता है और 12 मील प्रति घंटे तक दौड़ सकता है। हालांकि, यह केवल कम दूरी तक ही उड़ सकता है। वयस्क बटेर पक्षी मिट्टी में दो से तीन इंच गहराई तक जाकर धूल स्नान करना पसंद करता हैं और फिर अपने पंखों को फड़फड़ाते हुए इधर-उधर घूमता है। बटेर तीतर की भांति क्रीड़ा पक्षियों के परिवार का है। बटेर खाने के लिए ज़्यादतर बीज, पत्ते और जड़ पसंद करते हैं, हालांकि भूख लगने पर ये कभी-कभी छोटे कीड़े भी खा जाते हैं।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

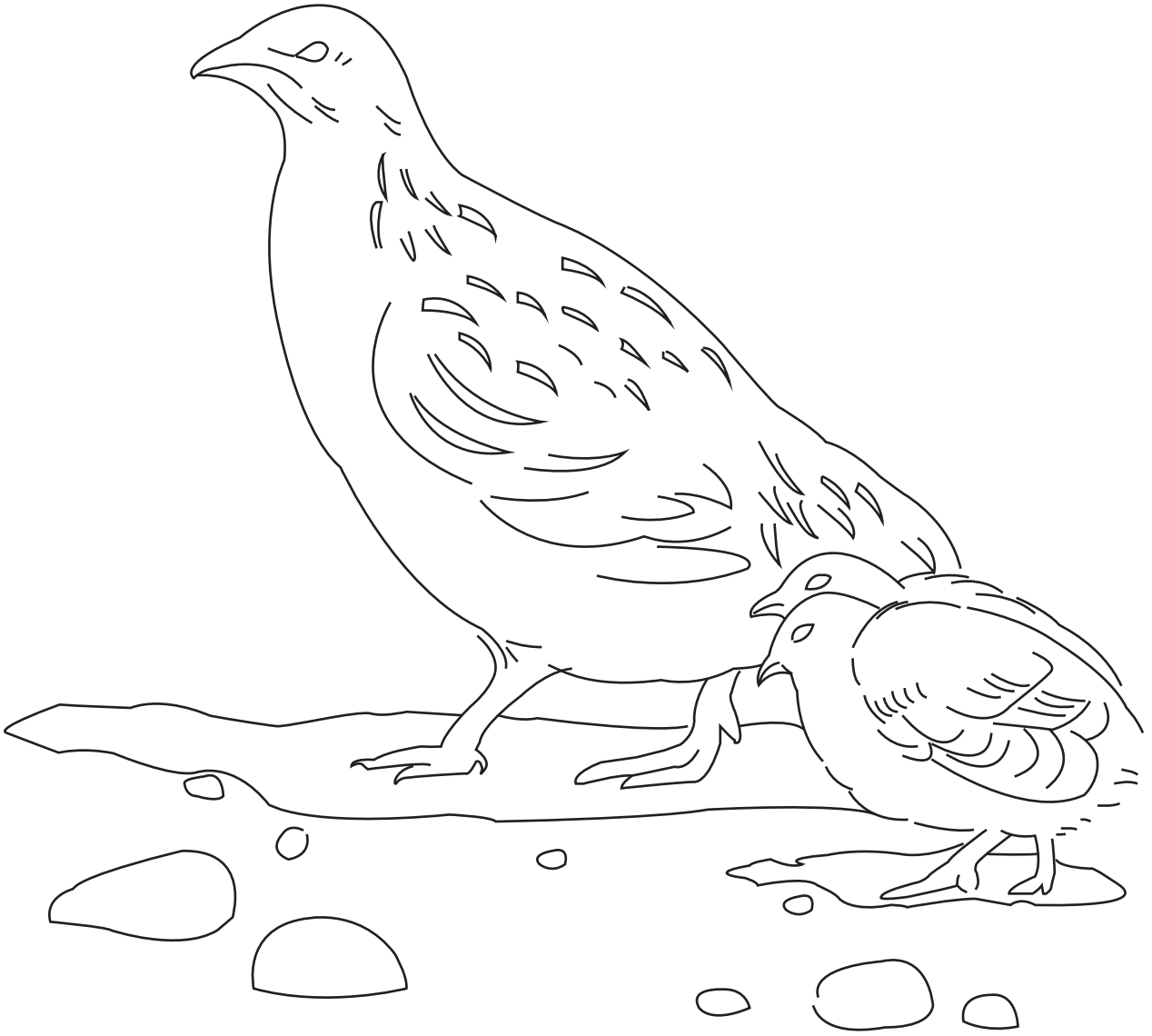

R One-horned RHINOCEROS

एक सींग वाला गैंडा (भारतीय गैंडा)

Scientific Name: Rhinoceros unicornis

वैज्ञानिक नामः राइनोसेरोस युनिकॉर्निस

A group of rhinos is called a 'crash'. They have weak eyesight, and they mostly rely on their sense of smell.
They have a single horn at the end of their snout. They are herbivores, and their daily food intake is approximately almost ~ 60 to 70 kilograms. They are usually solitary except for females with young ones.
Occasionally rhino interactions are aggressive, characterized by charges, and horn clashes. Fighting between males is often a cause of death among this species.

नर गैंडों को 'बैल' और मादा गैंडों को 'गाय' कहा जाता है। गैंडों के समूह को 'क्रैश' कहा जाता है। इसकी देखने की क्षमता कमज़ोर होती है, इसीलिए ज़्यादतर यह अपनी सूंघने की क्षमता पर निर्भर करते हैं। इसके थूथन के अंत में एक सींग होता है। गैंडा शाकाहारी होता है, और यह प्रतिदिन लगभग 60 से 70 किलोग्राम भोजन का सेवन करता है। आमतौर पर यह एकांत में रहता है, केवल प्रजनन के दोरान ही मादा और नर एक साथ देखे जा सकते हैं। कभी-कभी नर गैंडों का व्यवहार आक्रमक हो जाता है। नर गैंडों के बीच लड़ाई अक्सर गैंडों की मौत का कारण बनती है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

एक सींग वाला गैंडा

SARUS
crane

सारस

Scientific Name: Grus Antigone

वैज्ञानिक नामः ग्रुस एंटीगोन

The Sarus crane is the tallest flying bird in the world and the largest crane known, standing 1.5 meters tall. They are found in large rivers, natural wetlands, floodplains, and cultivated lands. Sarus is an omnivore predating on invertebrates, small amphibians, and snakes which helps in maintaining the health of crops in agricultural land. They are a symbol of faithfulness and are thought to pair for life. Sarus is also the State bird of Uttar Pradesh.

सारस क्रेन दुनिया का उड़ने वाला सबसे ऊँचा पक्षी है और इसकी लंबाई 1.5 मीटर है। यह मुख्य रूप से नदियों के आस-पास प्राकृतिक आर्द्रभूमि, बाढ़ के मैदानों और खेतों में पाया जाता है। सारस अकशेरूकीय, छोटे उभयचरों और सांपों का शिकार करने वाला एक सर्वभक्षी है जो कृषि भूमि में फसलों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। यह वफादारी, प्रेम और प्रतिष्ठा का प्रतीक है और माना जाता है कि यह जीवन भर के लिए अपना जोड़ा बनाते हैं। सारस उत्तर प्रदेश का राजकीय पक्षी भी है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

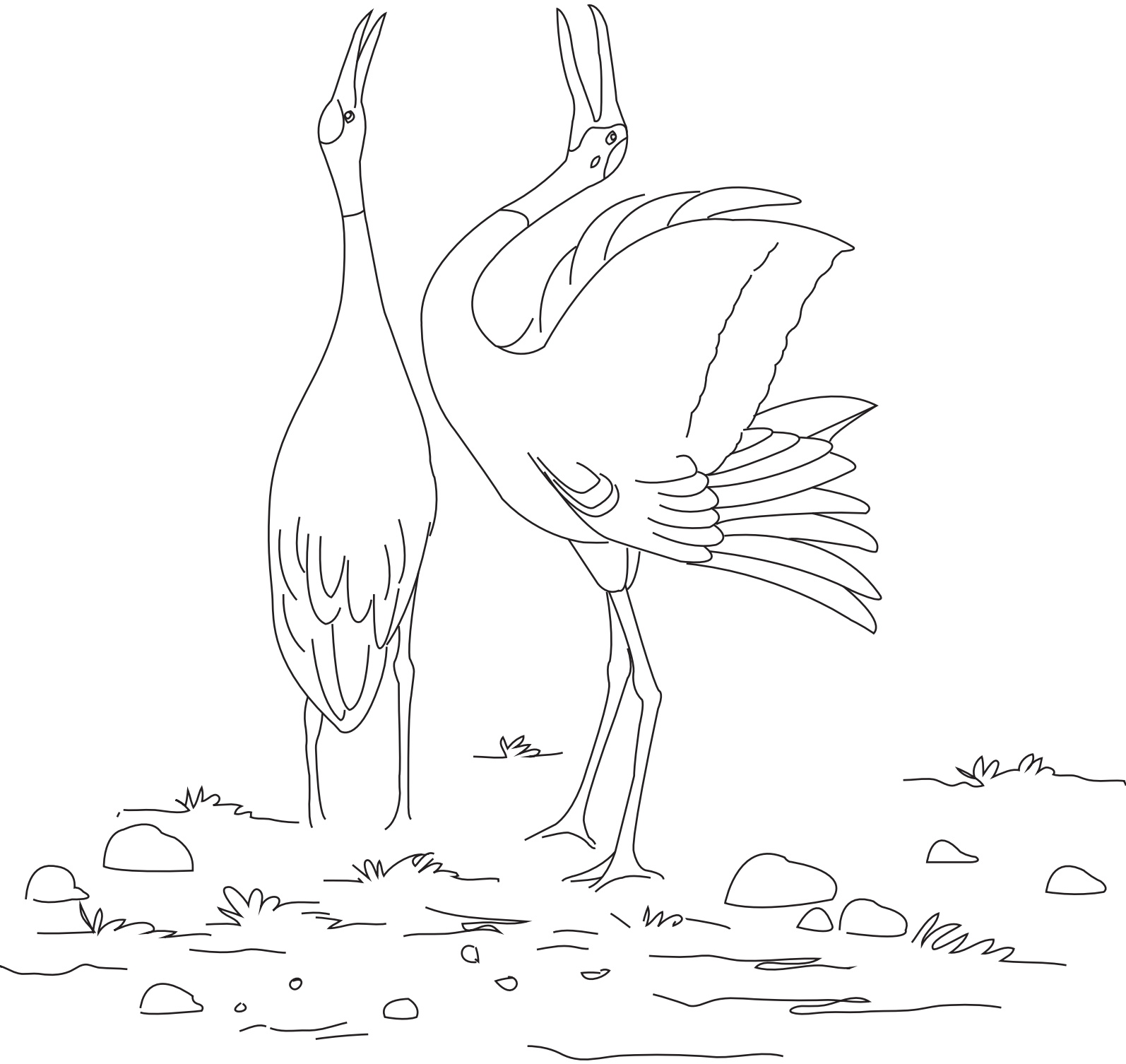

सारस

T IGER

बाघ

Scientific Name: Panthera tigris

वैज्ञानिक नामः पैंथेरा टाइग्रिस

Tigers rely primarily on sight and sound rather than smell for hunting. They typically hunt alone and stalk prey. Tigers are mostly solitary, apart from associations between mother and offspring. Individual tigers have a large territory, and the size is determined mostly by the availability of prey. Their roar can be heard as far as three kilometres away.No two tigers have the same stripes, they are all unique. Tigers are good swimmers too. This National animal of India currently is being protected in 53 tiger reserves across 18 states of India.

एशियाई बिल्लियों की प्रजाति में सबसे बड़ा बाघ है। बाघ शिकार करने के लिए मुख्य रूप से अपनी दृष्टि और शिकार की आहट पर निर्भर रहता है। यह अकेले शिकार करता है। मादा बाघ को अक्सर उसके बच्चों के साथ देखा जा सकता है, लेकिन नर बाघ ज्यादतर एकान्त वासी होता है। एक बाघ का व्यक्तिगत क्षेत्र और क्षेत्र का आकार बाघ के लिए उपलब्ध शिकार के आधार पर निर्धारित होता है। इसकी दहाड़ की आवाज को तीन किलोमीटर दूर तक सुना जा सकता है। दो बाघों के शरीर की धारियाँ एक जैसी नहीं होतीं, बल्कि एक दूसरे से भिन्न होती हैं। बाघ एक अच्छा तैराक भी होता है। भारत सरकार द्वारा बाघ को राष्ट्रीय जानवर का दर्जा भी दिया गया है। वर्तमान में बाघों को भारत के 18 राज्यों में स्थित 54 बाघ अभयारण्यों में संरक्षित किया जा रहा है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

UTIS

यूटिस

Scientific Name: Alnus nepalensis

वैज्ञानिक नामः अलनस नेप्लेंसिस

Utis is found in the subtropical highlands of the Himalayas and is used as firewood, and for making charcoal. Its bark is used for dyeing and tanning. Also known as Nepal Alder, it is found in the Himalayas, from Himachal Pradesh to South West China and Burma. It is often planted to prevent landslides. It is mostly used for its medicinal properties.

यूटिस हिमालय के उपोष्णकटिबंधीय उच्चभूमि में पाया जाता है और इसका उपयोग जलाऊ लकड़ी के रूप में और कोयला बनाने के लिए किया जाता है। इसकी छाल का उपयोग रंगाई और टैनिंग के लिए किया जाता है। यह नेपाल एल्डर के रूप में भी जाना जाता है। यह हिमालय में हिमाचल प्रदेश से लेकर दक्षिण पश्चिम चीन और बर्मा तक पाया जाता है। भारत में इसे अक्सर भूस्खलन को रोकने के लिए उगाया जाता है। इसी के साथ इसका प्रयोग औषधीय गुणों के रूप में भी किया जाता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

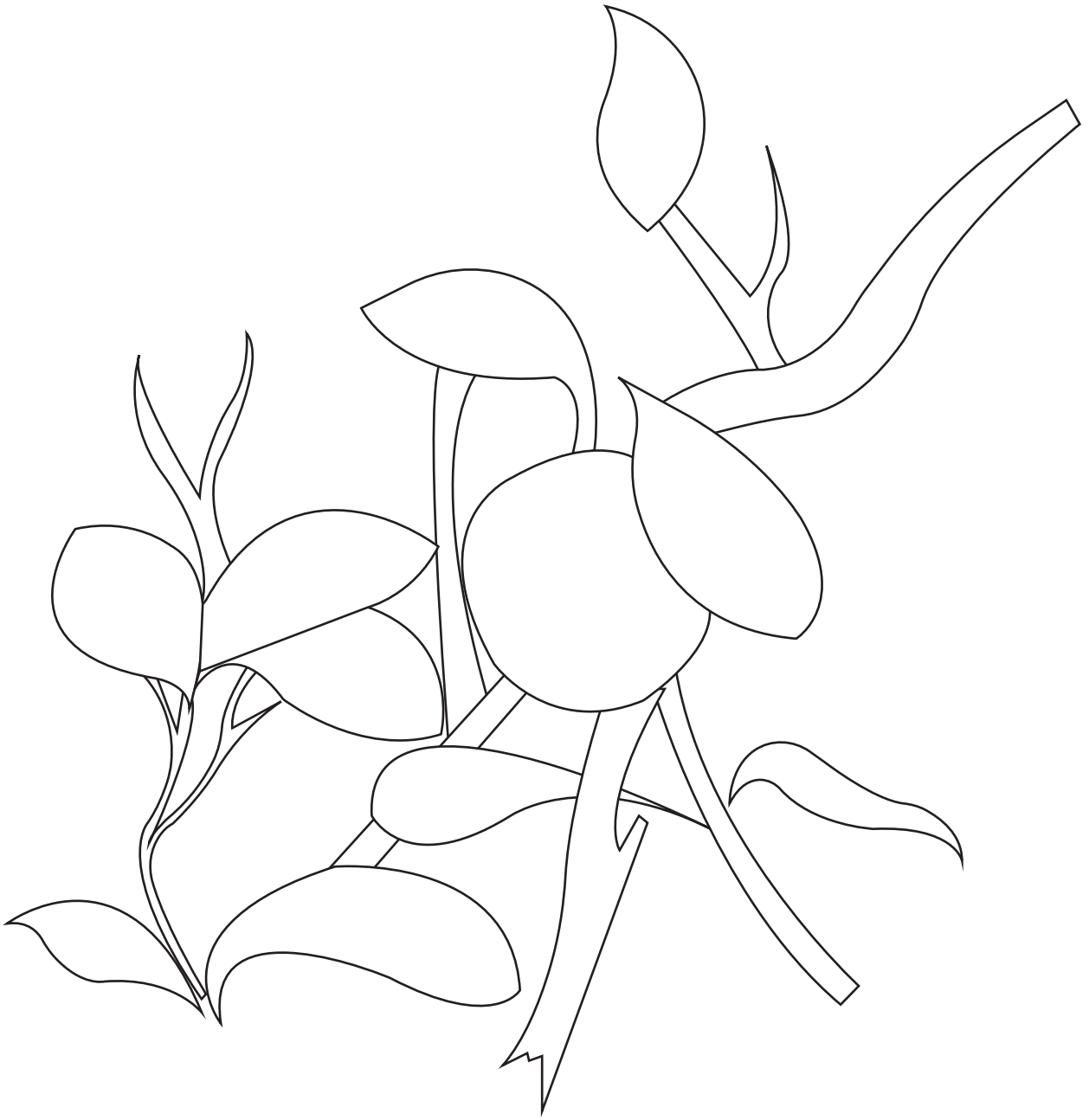

V Egyptian VULTURE

सफेद गिद्ध

Scientific Name: Neophron percnopterus

वैज्ञानिक नामः नियोफ्रॉन पर्कनोप्टेरस

Egyptian vultures are scavengers, and they rarely hunt weak or injured small animals. They are often found near human habitation like around slaughterhouses and rubbish dumps. They also eat small animals and the eggs of other birds. Egyptian vultures usually nest on rock ledges and have white-coloured heads and backs.

गिद्ध ज़्यादातर सड़े गले मृतप्राय जानवरों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं, और कभी कभी कमजोर या घायल छोटे जानवरों का भी शिकार करते हैं। यह आमतौर पर मानव बस्तियों, बुचडखानो और कचरे के ढेर के आसपास देखा जा सकते हैं। कभी कभी यह छोटे जानवरों और अन्य पक्षियों के अंडे भी खा जाते हैं। गिद्ध आमतौर पर चट्टानी किनारों पर अपना घोंसला बनाता है इसका सिर और पीठ वाला भाग सफेद रंग का होता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

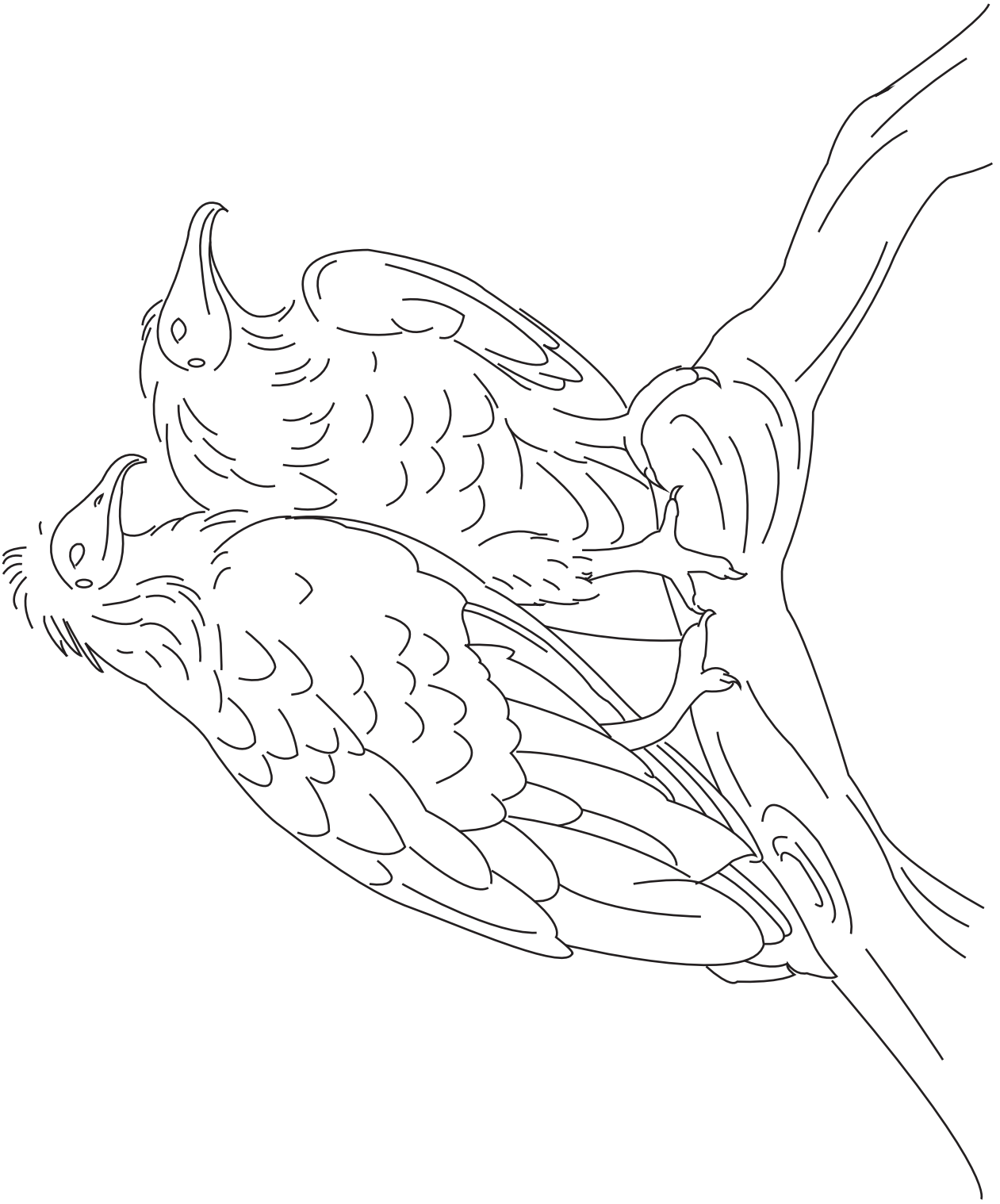

सफेद गिद्ध

WESTERN yellow wagtail

पिलकिया खंजन

Scientific Name: Motacilla flava

वैज्ञानिक नामः मोटासिला फ्लैवा

The yellow wagtail is a small, graceful, yellow, and green bird, with a medium-length tail and slender black legs. It spends much time walking or running on the ground. As its name implies, it wags its tail from time to time. It is found in large numbers in reedbeds and standing crops. It feeds on small insects including flies and beetles. Wagtail is a summer visitor, migrating to Africa in winter.

वैगटेल एक हरे और पीले रंग का छोटा और सुंदर पक्षी है, जिसकी मध्यम लंबाई की पूंछ और काले रंग के पतले पैर होते हैं। यह अपना ज्यादतर समय जमीन पर चलने या दौड़ने में व्यतीत करते हैं। यह समय-समय पर अपनी पूंछ हिलाते रहते हैं। यह ईख की क्यारियों और खड़ी फसलों के अंदर बड़ी संख्या में अपना घोंसला बनाते हैं। यह मक्खियों और भवरे सहित छोटे कीड़ों को खाता है। वैगटेल एक ग्रीष्मकालीन आगंतुक पक्षी है, जो सर्दियों में अफ्रीका की ओर पलायन करता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

X YLOCARPUS granatum

पुसुर या धुंधल

Common Name: Cannonball Mangrove

सामान्य नामः कैननबॉल मैंग्रोव

It is an evergreen tree of medium size. It commonly grows in the coastal forests of Bengal, Burma, the Malay Peninsula, the Andaman and Nicobar Islands, Australia and the islands of Africa. Although it is bent and hollow inside, the wood of this tree is hard and durable and is often used for making boats, furniture and for construction purposes.

यह मध्यम आकार का सदाबहार वृक्ष है। यह आमतौर पर बंगाल, बरमा, मलय प्रायद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के द्वीपों के तटीय जंगलों में उगता है। हालाँकि यह अन्दर से मुड़ा हुआ और खोखला होता है, लेकिन इस पेड़ की लकड़ी इतनी कठोर और टिकाऊ होती है कि इसका उपयोग नाव, फर्नीचर और निर्माण कार्यों के लिए किया जाता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

YELLOW bittern

जुन बगली

Scientific Name: Ixobrychus sinensis

वैज्ञानिक नामः इक्सोब्राइकस साइनेंसिस

Yellow bitterns are small herons of marshy, well-vegetated water bodies. They tend to stay in thick wetland vegetation. They also are often most active at dawn or dusk. They forage by moving slowly through the wetland vegetation or waiting at the water's edge, thrusting their long bill out to capture prey when they spot the prey. They mostly feed on insects, fish, and amphibians.

पीली बिटर्न दलदली क्षेत्रों और जल निकायों से भरपूर वनस्पति के आसपास पाए जाने वाले छोटा बगुला है। यह अक्सर भोर या शाम के समय सबसे अधिक सक्रिय होता है। यह शिकार करने के लिए आर्द्रभूमि वनस्पतियों के माध्यम से धीरे-धीरे शिकार की ओर बढ़ता है या पानी के किनारे पर शिकार की प्रतीक्षा करता है। शिकार को पकड़ने के लिए यह अपनी लम्बी चोंच के माध्यम से शिकार पर झपट्टा मारता है। यह ज्यादतर कीड़े, मछली और उभयचरों को खाता है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

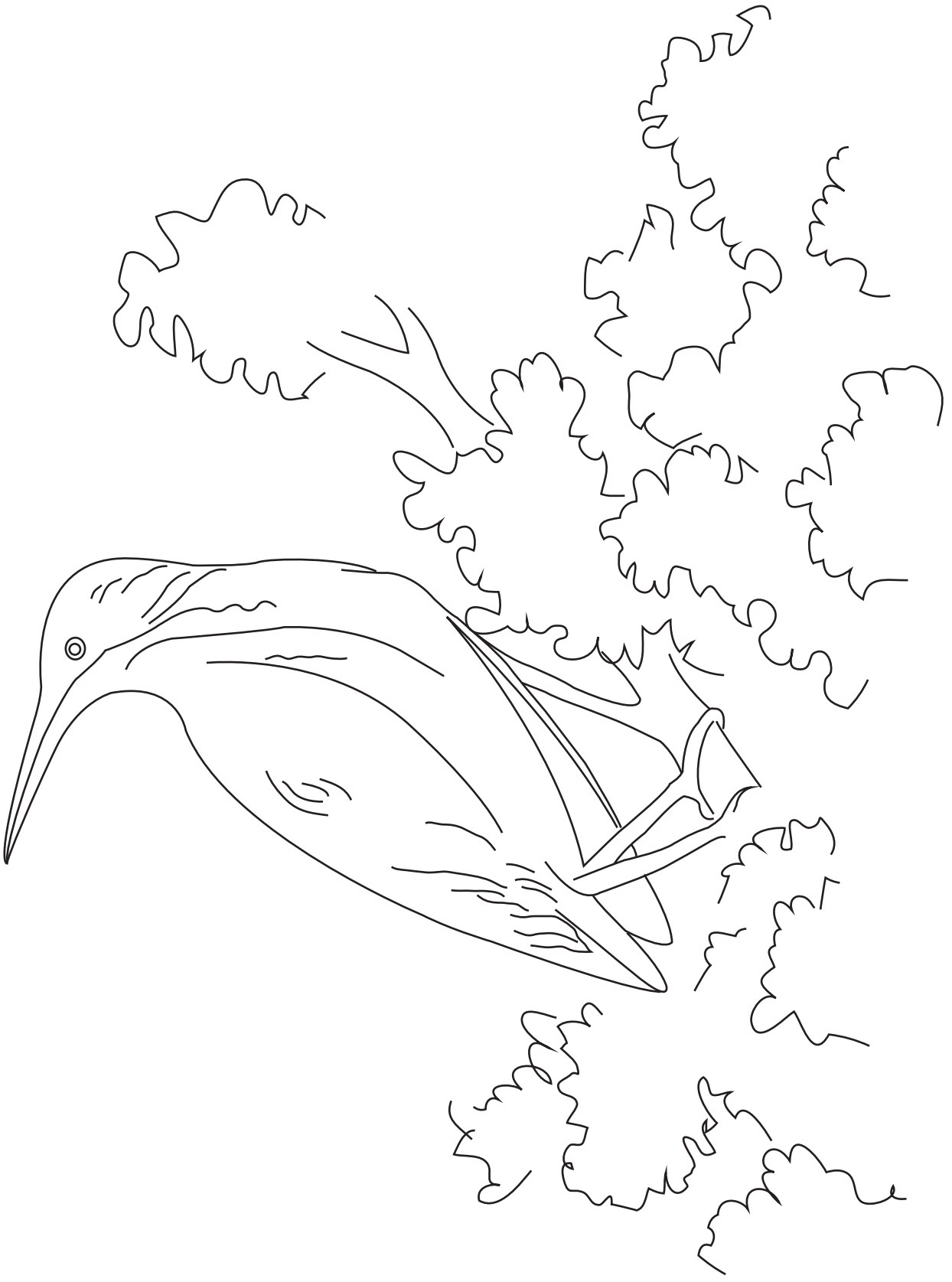

जुन बगली

ZITTING cisticola

ज़िटज़िटी जिटफुदकी

Scientific Name: Cisticola juncidis

वैज्ञानिक नामः सिस्टीकोला जंकाइडिस

Cisticolas are difficult to identify and can be distinguished only by the configuration of their wing feathers. Zitting Cisticolas are very small insectivorous birds. The species occupies open grasslands, including seasonally flooded and grassy wetlands, meadows, fallow lands, and cultivated croplands, and is occasionally found in urban areas.

ज़िटिंग की पहचान करना अत्यंत कठिन है। कुछ पक्षी प्रजातियों को उनके पंखों की भिन्नता के आधार पर ही पहचाना जा सकता है। जिटिंग सिस्टीकोला बहुत छोटा कीटभक्षी पक्षी है। यह खुले घास के मैदानों में पायी जाती है, जिनमें मौसमी रूप से बाढ़ और घास वाले आर्द्रभूमि, घास के मैदान, परती भूमि और खेती की फसलें शामिल हैं। कभी-कभी यह शहरी क्षेत्रों में भी देखी जा सकती है। इसका घोंसला एक प्याले के आकार का होता है जिसमें छलावरण के लिए बंधी हुई पत्तियों या घास की छतरी होती है।

Use Pencil Colours, Poster Colours or Acrylic Colours

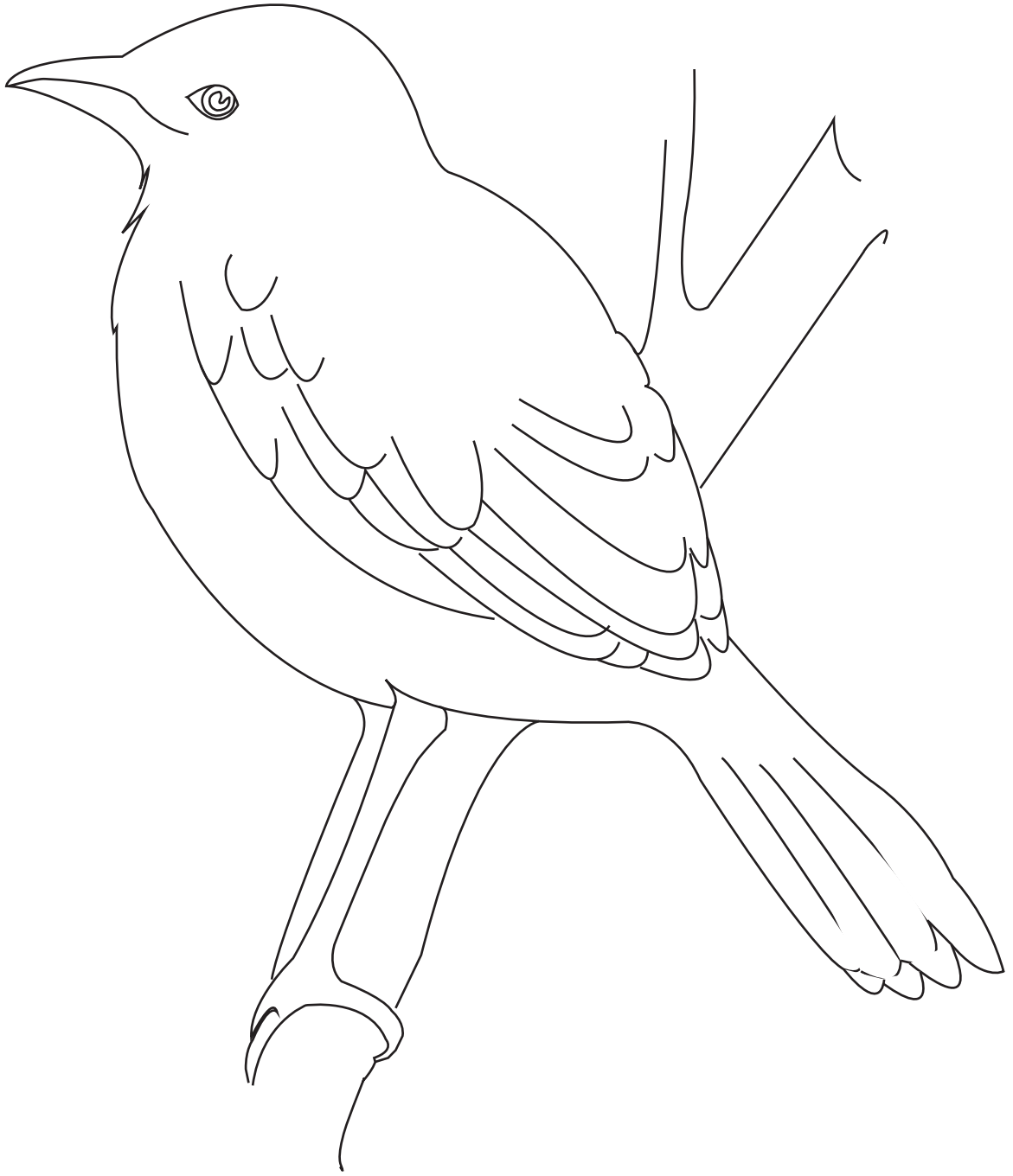

NAMAMI GANGE

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India